पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने महाराणा प्रताप की मूर्ति पर माल्यार्पण किया
महाराणा प्रताप का व्यवहार और युद्धनीति देश के लिये आदर्श के रूप में है - श्री नाईक

लखनऊः 9 मई, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज महाराणा प्रताप जयन्ती के अवसर पर लखनऊ के हुसैनगंज चैराहा स्थित प्रतिमा पर जाकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि महाराणा प्रताप का नाम भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा है। महाराणा प्रताप वीरता, अदम्य साहस और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। वे युद्ध नीति में निपुण थे और उन्होंने किसी के आगे कभी सिर नहीं झुकाया। वे जीवन पर्यन्त अपनी मातृभूमि मेवाड़ की रक्षा के लिये अडिग रहे। राजस्थान के महाराणा प्रताप और महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज ने मातृभूमि की रक्षा के लिये स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का संघर्षमय जीवन विषम एवं विपरीत परिस्थितियों में भी हार ना मानने की प्रेरणा प्रदान करता है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि महाराणा प्रताप का व्यवहार और युद्धनीति देश के लिये आदर्श के रूप में है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे महापुरूषों की जयन्ती व पुण्य तिथि के अवसर पर उनके विचारों का आत्मसात करने के साथ व अपने देश एवं प्रदेश के विकास के लिये संकल्प लें। राज्यपाल ने क्षत्रिय समाज के लोगों की मांग (महाराणा प्रताप की जयन्ती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किये जाने) पर कहा कि यदि वे लिखित तौर पर उन्हें कोई प्रत्यावेदन देंगे तो वे निश्चित रूप से अपने स्तर से केन्द्र सरकार से विचार विमर्श करेंगे।

अंजुम/ललित/राजभवन (176/11)